Patrika (Indore), 17th May 2025, Page – Plus 04

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इंदौर ने बनाई अलग पहचान

उच्च शिक्षा व्यक्ति में मात्र ज्ञान और कौशल का ही विकास नहीं करती बल्कि, शिक्षित व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का मार्ग भी प्रशस्त करती है। इस प्रकार समाज के विकास के स्तर को ऊपर उठाने एवं राष्ट्र निर्माण में व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चत करने में उच्च शिक्षा की विशिष्ट भूमिका है।

इंदौर उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। चिकित्सीय शिक्षा में भी इंदौर अग्रणी हैं। यहां 143 साल पहले मेडिकल कॉलेज की स्थापना हुई थी। 1878 में किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज की स्थापना इंदौर में की गई थी, जिसे आज एमजीएम मेडिकल कॉलेज के नाम से जाना जाता है। 1948 में किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज का नाम महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज कर दिया गया। शहर में इंजीनियरिंग के कई संस्थान हैं। आइआइटी इंदौर ने एनआइआरएफ रैंकिंग 2020 में देश के

टॉप 10 इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट में जगह बनाई थी। इसके अलावा यहां पर कई प्राइवेट तकनीक संस्थान भी हैं, जो देश–विदेश स्तर पर अपने को स्थापित कर रहे हैं। अगर मैनेजमेंट शिक्षण संस्थानों की बात करें, तो इंदौर का नाम सेंट्रल इंडिया के टॉप शहरों में आता है। आइआइएम इंदौर को हाल ही में फाइनेंशियल टाइम्स ग्लोबल एमबीए रैंकिंग में विश्व के टॉप 100 मैनेजमेंट संस्थानों में शामिल किया गया है। वहीं एनआइआरएफ रैंकिंग 2020 में देश के टॉप मैनेजमेंट संस्थानों में 7वें नंबर पर आइआइएम इंदौर था। इसके अलावा शहर में मैनेजमेंट के कई संस्थान हैं। इंदौर में 1964 में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। प्राइवेट यूनिवर्सिटी भी शहर में तेजी से बढ़ रही हैं और वर्तमान में 9 यूनिवर्सिटी यहां हैं। ऐसा अनुमान है 2023 तक इनकी संख्या 15 हो जाएगी। 2011 में इंदौर में पहली निजी यूनिवर्सिटी शुरू हुई थी।